

कक्षा : आठ गतिविधि

परिचय

पूरक पाठ्य पुस्तक	भारत एक खोज
पाठ	नयी समस्याएँ
शीर्षक	क्षणिक-प्रस्तुति (आशुभाषण)
समय	दो कालाँश
प्रकार	व्यक्तिगत
विद्यार्थी संख्या	एक
कौशल	वाचन
आवश्यक सामग्री	कागज़, कलम, रंगीन कलम, कार्यपत्र ।

चरण:-

- विद्यार्थी कम समय में अपनी संपूर्ण बात अथवा यूँ कहें कि कम शब्दों में अधिक कहने की कला में सक्षम हो सकेंगे ।
- विद्यार्थी सटीकता, सरलता, समयबद्धता, प्रभावोत्पादकता, व्यवहारिकता में वृद्धि कर सकेंगे ।
- विद्यार्थी क्षणिक-प्रस्तुति (आशुभाषण) कला को सीख सकेंगे ।

2. अध्यापिका गतिविधि :-

- अध्यापिका द्वारा सभी विद्यार्थियों को एक विषय चयन करने के लिए कहा जाएगा ।

अरब और मंगोल	नानक और अमीर खुसरो	महमूद गज़नवी और अफगान	बाबर और अकबर
एशिया और यूरोप के बीच अंतर	औरंगज़ेब और शिवाजी	मराठों और अंग्रेज़ों के बीच के संघर्ष	राजा रणजीत सिंह और जय सिंह
भारत की पृष्ठभूमि - इंग्लैंड के दो रूप	कबीर- गुरु नानक	राणा प्रताप और अकबर	लक्ष्मीबाई और डलहौजी

* सभी विद्यार्थी अपने चयनित विषय से जुड़े अपने विचार अपनी समझ, जागरूकता आदि के आधार पर लिखेंगे ।

* विद्यार्थियों को वाचन के लिए दो-तीन मिनट का समय दिया जाएगा ।

* अपनी बारी आने पर अपना वाचन प्रस्तुत करेंगे ।

* मानदंडों के आधार पर विद्यार्थी अपने विचारों के लिखित रूप को भी प्रस्तुत करेंगे ।

* अध्यापिका अंत में निर्धारित प्रारूप के आधार पर मौखिक वाचन का मूल्यांकन करेंगी ।

- गतिविधि के पश्चात विद्यार्थियों को कार्यपत्र करने के लिए दिया जाएगा ।

3. छात्र-गतिविधि:-

* सभी विद्यार्थी अपने चयनित विषय से जुड़े अपने विचार अपनी समझ, जागरूकता के आधार पर आशुभाषण के मुख्य बिंदु लिखेंगे ।

* विद्यार्थियों को वाचन के लिए दो मिनट का समय दिया जाएगा ।

* अपनी बारी आने पर अपना वाचन प्रस्तुत करेंगे ।

* अंत में विद्यार्थी मूल्यांकन हेतु अपना आशुभाषण का लिखित रूप अध्यापिका को देंगे ।

- विद्यार्थी अध्यापिका द्वारा दिए गए कार्यपत्र को पूर्ण करेंगे ।

4. मूल्यांकन के मानदण्ड :-

क्रम संख्या	मूल्यांकन के क्षेत्र	अंक-10
1	विषय की प्रस्तुति	3
2	प्रभावोत्पादकता	3
3	भाषा का स्तर एवं शुद्धता	2
4	कार्य की पूर्णता	1
5	समयबद्धता	1

कार्यपत्र

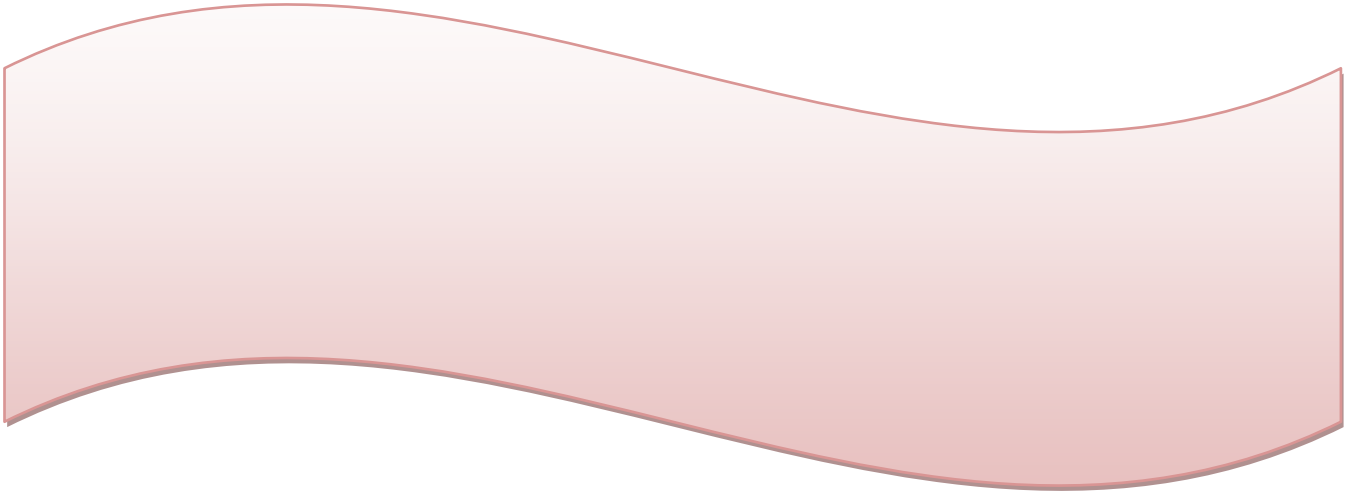
पाठ : नयी समस्याएँ

विद्यार्थी का नाम :

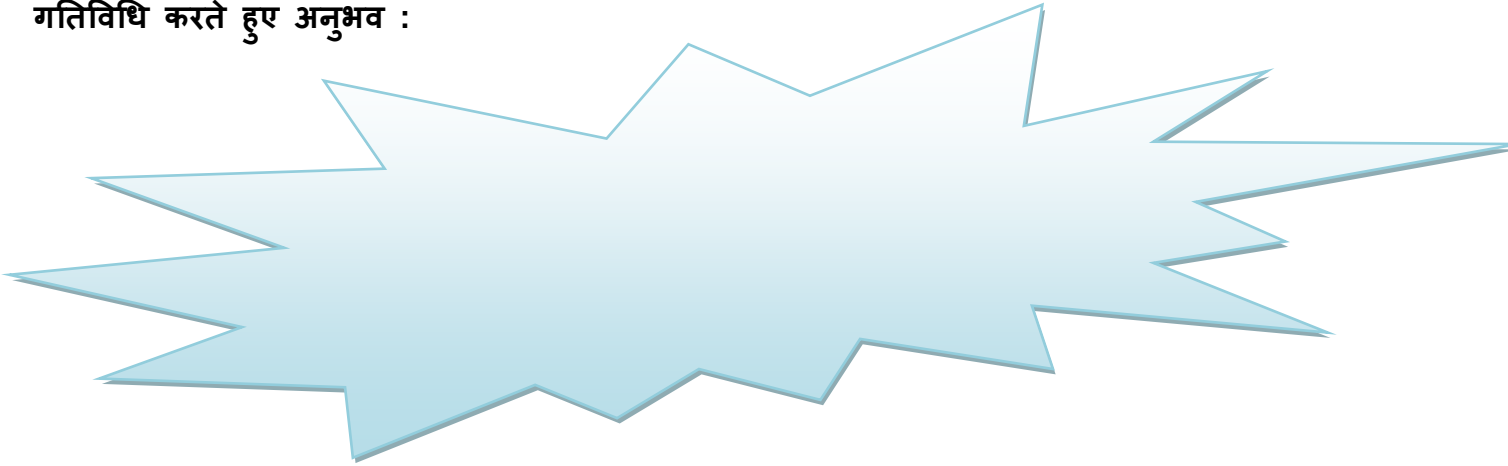
गतिविधि : क्षणिक-प्रस्तुति (आशुभाषण)

अनुक्रमांक :

क्षणिक प्रस्तुति से पूर्व योजनाबद्ध तरीके से विषय के मुख्य बिन्दुओं का ज्ञान :



गतिविधि करते हुए अनुभव :



गतिविधि से सीखा

एवं तदुपरांत

सोच में अंतर :

